

**बारहमासा** पुं. (तद्.) काव्य अथवा लोक-गीतों का एक विशेष प्रकार जिसमें विरहिणी पत्नी/नायिका की बारह महीनों में से प्रत्येक की अनुभूत वेदना का वर्णन होता है।

**बारहमासी** वि. (तद्.) 1. वर्ष के बारह महीनों से संबद्ध जैसे- बारहमासी गीत 2. वर्षपर्यंत फलने फूलने वाला जैसे- बारहमासी फूल या फल 3. वर्ष भर रहने वाला या होने वाला मेला आदि स्त्री. एक छत्तेदार घास जिसमें बैंगनी रंग के फूल तथा नीम के पत्तों के समान पत्ते होते हैं।

**बारहवफात** स्त्री. (फा.) 1. मुहम्मद साहब के जीवन के वे अंतिम बारह दिन जिनमें वे अस्वस्थ थे तथा अंत में परलोक सिधार गए थे 2. रबी-उल अव्वल की बारह तिथियाँ।

**बारहवाँ** वि. (देश.) स्थान अथवा क्रम में ग्यारहवें के बाद आने वाला।

**बारहसिंगा** पुं. (तद्.) हरिण प्रजाति का एक ऐसा पशु जिसके नर के सींगों में अनेक शाखाएँ होती हैं।

**बारहा** क्रि.वि. (फा.) 1. बार-बार 2. अनेक बार 3. प्रायः अक्सर।

**बारात (वर यात्रा)** स्त्री. (तद्.) विवाह के समय वर के साथ कन्या के पिता के घर जाने वाले वर-पक्ष के लोगों का समूह, बरात।

**बारादरी** स्त्री. (तद्.) एक ऐसा कमरा जिसमें बारह अथवा उससे अधिक द्वार हो, बारहदरी।

**बारि** पुं. (तद्.) बारि, जल, पानी पुं. (तद्.) (सं.द्वार) दरवाजा, द्वार स्त्री. (तद्.) (सं. बाला) 1. किशोरी, युवती 2. भोली-भाली बालिका स्त्री. (तद्.) (सं. वाटी) 1. वाटिका, बगीचा, उपवन 2. खेती क्रि.वि. (देश.) जला कर जैसे- दीपक बारि कर उजाला करो स्त्री. (तद्.) बारी।

**बारी** स्त्री. (तद्.) 1. नदी का सामने का तट 2. वस्तु का अंतिम सिरा 3. हाशिया 4. चारों ओर बना हुआ बाड़ा 5. बर्तन का ऊपरी घेरा, थाली, कटोरा आदि का उठा हुआ किनारा 6. हथियार

की धार या पैना किनारा या बाढ़ स्त्री. (तद्.) (सं. वाट उद्यान-वाटी) 1. बाग, बगीचा 2. बागवान, माली 3. खेत, बाग की क्यारी 4. घर, मकान 5. खिडकी, झरोखा 6. बंदरगाह स्त्री. (तद्.) आगे पीछे के क्रमानुसार आने वाला अवसर, पारी स्त्री. (तद्.) (सं. बाल) 1. बालिका, छोटी लड़की, युवती स्त्री. (देश.) दोने, पत्तल आदि बनाने वाली एक जाति।

**बारीक** वि. (फा.) 1. महीन, पतला 2. बहुत छोटा, सूक्ष्म 3. गूढ़, गहन, जटिल 4. जिसकी रचना में सूक्ष्म-दृष्टि तथा कला का नैपुण्य झलकता हो।

**बारीकी** स्त्री. (फा.) 1. बारीक होने की स्थिति अथवा भाव 2. पतलापन, महीनपन 3. भाव, विचार आदि की सूक्ष्मता, गहनता अथवा जटिलता 4. किसी उत्कृष्ट रचना में प्रकट होने वाली सूक्ष्म-दृष्टि तथा कला की निपुणता।

**बारू** स्त्री. (तद्.) बालू, रेत पुं. (तद्.) (सं-वार) दिन, वासर पुं. (तद्.) (सं.द्वार) द्वार, दरवाजा उदा. महिं घूविअ फाड़अ नहिं बारू जांयसी।

**बारूद** स्त्री. (फा.) श्वेतक्षार (शोरा), गंधक तथा कोयला आदि का मिश्रण जो विस्फोटक के रूप में प्रयुक्त होता है तथा तोपों, बंदूकों, आतिशबाजी आदि को चलाने में काम आता है।

**बारूदखाना** पुं. (फा.) 1. बारूद तैयार करने का स्थान 2. बारूद को सुरक्षित रखने का स्थान, बारूद के भंडारण का स्थान।

**बारूदी-सुरंग** स्त्री. (फा.) व्यक्ति अथवा सेना आदि को नष्ट करने के लिए जमीन के नीचे/ भीतर से बनाया गया मार्ग जिसमें विस्फोटक पदार्थ गाढ़ दिए जाते हैं।

**बारे** वि. (तद्.) 1. (बाल बारा) बालक, बच्चे 2. बचपन 3. बाल्यावस्था का समय पुं. (देश.बारा./ फा.बार:) विषय, संबंध जैसे- शिक्षा के बारे में विचार अव्य. (फा.) 1. अस्तु, खैर 2. अनंत, आखिरकार।